SarkariExam.com

1. ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले तीसरे भारतीय घुड़सवार बन फवाद मिर्जा

- 30 मई, 2021 को पोलैंड के बाबोरोको में CCI44-लॉन्ग इवेंट प्रतियोगिता में अपने दोनों घोड़ों सिग्नूर मेडिकॉट और दजारा पर न्यूनतम पात्रता आवश्यकता (Minimum Eligibility Requirement) हासिल करने के बाद भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा ने इसी साल होने वाले टोक्यो ओलिंपिक (Tokyo Olympic) के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है। इसी के साथ वह भारत को 21 साल में घुड़सवारी (इक्वेस्टेरियन) में ओलंपिक खेलों में कोटा दिलाने में सफल रहे है। ऐसा करके वो व्यक्तिगत घुड़सवारी में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले तीसरे भारतीय घुड़सवार बन गए है।
- उनसे पहले अटलांटा ओलंपिक 1996 में इंद्रजीत लांबा (Indrajit Lamba) ने और वर्ष 2000 के सिडनी ओलंपिक में इम्तियाज अनीस (Imtiaz Anees) ने भारत को इक्वेस्टेरियन में ओलिंपिक कोटा दिलाया था।
- हालांकि इससे पहले उनका नाम इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इक्वेस्ट्रियन स्पोर्ट्स (FEI) द्वारा टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाइ करने वाले एथलिट्स की सूची में था। उन्हें एक औपचारिकता पूरी करने के लिए MER फाइनल क्वालीफिकेशन हासिल करना था जो उन्होंने कर लिया।
- वर्ष 2018 में जकार्ता में खेले गए एशियाई खेलों में फवाद ने व्यक्तगित स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया था। इसी के साथ उन्होंने 36 साल बाद भारत को व्यक्तगित स्पर्धा में रजत पदक दिलाया था।
- वर्ष 1980 के मॉस्को ओलंपिक में इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया (EFI) ने इवेंटर्स की एक टीम भेजी थी। जिसमें लेफ्टिनेंट जे.एस. अहलूवालिया, हुसैन खान, मोहम्मद खान और दरिया सिंह शामिल थे। यह खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली और एकमात्र टीम थी।

❑ इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इक्वेस्ट्रियन स्पोर्ट्स (FEI)

- इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इक्वेस्ट्रियन स्पोर्ट्स (FEI) घुड़सवारी के खेल के प्रबंधन की

अंतर्राष्ट्रीय संस्था है जिसे अंतर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक कमेटी से मान्यता प्राप्त है। इसकी स्थापना वर्ष 1921में हुई।

- इसका मुख्यालय लुसाने, स्विट्जरलैंड में स्थित है।

2. टी. वी. नरेंद्रन बने भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के अध्यक्ष

- 31 मई, 2021 को टाटा स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) और प्रबंध निदेशक (MD) टी. वी. नरेंद्रन को वर्ष 2021-22 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) का नया अध्यक्ष चुना गया है। नरेंद्रन ने कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (MD) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO उदय कोटक का स्थान लिया है।
- नरेंद्रन कई वर्षों से राज्य, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के साथ जुड़े हुए है। वह वर्ष 2016-17 के दौरान भारतीय उद्योग परिसंघ पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष थे और CII झारखंड के अध्यक्ष होने के अलावा कई राष्ट्रीय समितियों का नेतृत्व भी कर चुके हैं।
- इसके अलावा बजाज फिनसर्व लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संजीव बजाज को वर्ष 2021 के लिए चैंबर का मनोनीत-अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पवन मुंजाल CII के वर्ष 2021-22 के लिए उपाध्यक्ष होंगे।

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)

- भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) सलाहकार और परामर्श संबंधी प्रक्रियाओं के माध्यम से भारत के विकास, उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के बीच साझेदारी के लिये अनुकूल वातावरण बनाने का काम करता है। CII एक गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी, उद्योग के नेतृत्व वाला और उद्योग-प्रबंधित संगठन है जो भारत की विकास प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।
- भारत के प्रमुख व्यापार संघ के निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों से SME और MNC सहित लगभग 9000 सदस्य हैं तथा लगभग 265 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय उद्योग निकायों के 300,000 से अधिक उद्यमों की अप्रत्यक्ष सदस्यता है।

SarkariExam.com

3. इसाक हर्जोग होंगे इजरायल के 11वें राष्ट्रपति

- 02 जून, 2021 को इजराइली संसद 'नेसेट' ने पूर्व केंद्र-वाम राजनेता इसाक हर्जोग को देश के राष्ट्रपति के रूप में चुना है। इसाक हर्जोग इजरायल के 11वें राष्ट्रपति होंगे। इस फैसले से जातीय और धार्मिक समूहों के बीच एकता को बढ़ावा मिलेगा। हर्जोग ने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार मिरियम पेरेट्ज़ को हराया है जो एक शिक्षक और युद्ध में जान गंवाने वाले दो इजरायली सेना के अधिकारियों की माँ है। हर्जोग अगले महीने राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे। हर्जोग रेवेन रिवलिन की जगह लेंगे जिनका 7 वर्ष का कार्यकाल 9 जुलाई, 2021 को समाप्त हो रहा है।
- राष्ट्रपति को चुनने के लिए 120 सांसदों ने वोट डाले। वोटिंग के दौरान हर्जोग को 120 में से 87 वोट हासिल हुए हैं। विजय पाने के लिए कम से कम 61 मत की जरूरत थी। पेरेट्ज़ को 26 वोट मिले हैं। वर्ष 2003 में पहली बार संसद पहुँचे 60 वर्षीय हर्जोग ने लेबर पार्टी का नेतृत्व किया और गठबंधन सरकारों में कई विभागों को संभाला। उनका सबसे हालिया सार्वजनिक पद इजरायल के लिए यहूदी एजेंसी के प्रमुख के रूप में था। यह एजेंसी इजरायल में आप्रवासन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करती है।
- इसाक हर्जोग के पिता चैम हर्जोग भी वर्ष 1983 और 1993 के बीच देश के राष्ट्रपति रह चुके हैं। वहीं वर्ष 2013 में इसाक हर्जोग प्रधानमंत्री पद के लिए भी खड़े हुए थे, लेकिन वे बेंजामिन नेतन्याहू से जीत हासिल करने में सफल नहीं हो सके।

4. पाकिस्तान ने लॉन्च की कोरोना की अपनी वैक्सीन, नहीं बताया कितने फीसदी है असरदार

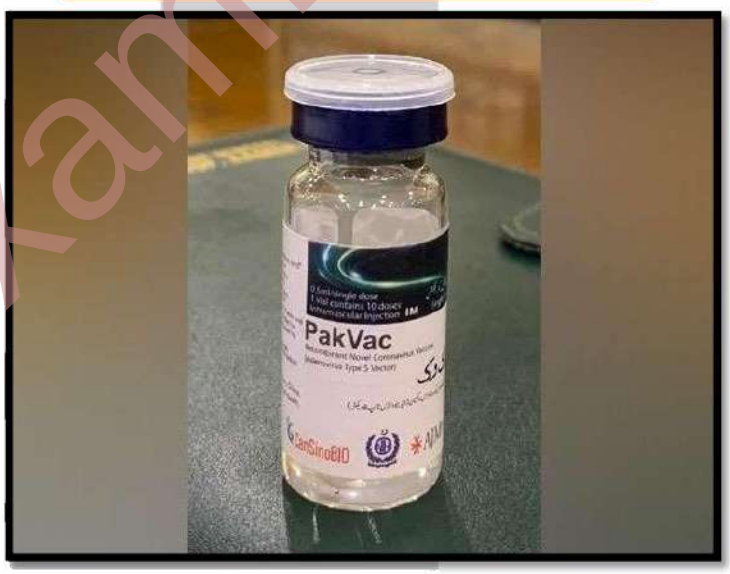

- 01 जून, 2021 को पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (NIH) में आयोजित एक समारोह के दौरान स्थानीय रूप से उत्पादित चीनी कैनसिनो कोविड-19 वैक्सीन को लॉन्च किया। पाकवैक (PakVac) नामक वैक्सीन के लॉन्चिंग समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के विशेष सहायक फैसल सुल्तान ने कैनसिनो वैक्सीन के स्थानीय उत्पादन को देश के लिए एक मील का

SarkariExam.com

पत्थर बताया जो कोविड -19 के खिलाफ पाकिस्तान की लड़ाई में अहम साबित होगा।

- सुल्तान ने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ दोनों देशों के बीच वैक्सीन सहयोग ने दुनिया के अन्य देशों के लिए एक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने आगे कहा कि कच्चे माल से वैक्सीन तैयार करना अपने आप में बहुत बड़ी चुनौती थी। आज हमें इस बात का फख्र है कि हमारी टीम ने तमाम दिक्कतों के बावजूद वैक्सीन तैयार करने में कामयाबी हासिल की है।
- पाकिस्तान के योजना और विकास मंत्री असद उमर जो राष्ट्रीय कमान और संचालन केंद्र के प्रमुख भी हैं उन्होंने समारोह में स्थानीय स्तर पर किए गए सर्वेक्षण के परिणामों को साझा करते हुए कहा कि बेहतर गुणवत्ता और प्रभावी परिणामों के लिए कैनसिनो वैक्सीन सहित चीनी टीके देश में पसंदीदा हैं।
- पाकिस्तान में चीनी राजदूत नोंग रोंग ने कहा कि चीन और पाकिस्तान के बीच वैक्सीन सहयोग कोरोना वैक्सीन के आयात पर निर्भरता को कम करके कोविड -19 से लड़ने में पाकिस्तान के प्रयासों में योगदान देगा। चीनी दूत ने कहा कि चीन तब तक कोविड -19 के खिलाफ पाकिस्तान की लड़ाई जारी है।

5. पंजाब सरकार उड़ान योजना के तहत महिलाओं व युवतियों को बांटेगा नि:शुल्क सेनेटरी पैड

- 28 मई, 2021 को पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री अरुणा चौधरी ने 'अंतरराष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस' के मौके पर राज्य में महिला सशक्तीकरण के लिए 'उड़ान योजना' की शुरुआत की। इसके अंतर्गत राज्य की जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं और लड़कियों को हर महीने मुफ्त सेनेटरी पैड बांटे जाएंगे।
- अरुणा चौधरी ने कहा कि इस नई योजना के अंतर्गत स्कूल छोड़ चुकी लड़कियों/स्कूल से बाहर की लड़कियों, कॉलेज न जाने वाली लड़कियों, बीपीएल परिवारों की महिलाएं, झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली और बेघर महिलाएं, टपरीवास परिवारों की महिलाएं और नीले कार्ड धारक और अन्य विभागों की किसी भी स्कीम के अंतर्गत मुफ्त/सब्सिडी वाले सेनेटरी पैड का लाभ नहीं ले रही महिलाओं को कवर किया जाएगा। इस पर 40.55 करोड़ रुपये सालाना का खर्च आएगा।

SarkariExam.com

- अरुणा चौधरी ने कहा कि लाभार्थियों को 27,314 आंगनबाड़ी केंद्रों के राज्य स्तरीय नेटवर्क द्वारा कवर किया जाएगा। प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र द्वारा लगभग 50 लाभार्थियों को कवर किया जाएगा, क्योंकि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र के अधीन 400 परिवार आते हैं। हरेक लाभार्थी को हर महीने अधिक से अधिक 9 सेनेटरी पैड दिए जाएंगे। अरुणा चौधरी ने बताया कि पहले चरण में 27,314 आंगनबाड़ी केंद्रों के वर्करों और हेल्परों द्वारा 13,65,700 लाभार्थियों को कुल 1,22,91,300 सेनेटरी पैड बांटे जाएंगे।

सभी महिलाएँ /लडकियों के लिए मुफ्त बस यात्रा

- दिल्ली की तरह पंजाब की सभी महिलाएँ/लड़किया 1 अप्रैल, 2021 से राज्य के भीतर सभी सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा कर रही है। राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 5 मार्च, 2021 को राज्य विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा इस योजना की घोषणा की गई थी। 31 मार्च, 2021 को राज्य मंत्रिमंडल ने इस योजना को औपचारिक रूप से मंजूरी दी।
- महिलाएँ पंजाब रोडवेज परिवहन निगम (PRTC), पंजाब रोडवेज बसेज (PUNBUS) और स्थानीय निकाय विभाग द्वारा संचालित सिटी बस सेवा समेत सरकार द्वारा संचालित बसों में इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। सरकार द्वारा संचालित हीटिंग, वेंलिटेशन एंड एयरकंडिशनिंग बसों में इस योजना का लाभ नहीं उठाया जा सकता। इस योजना का लाभ उठाने के लिए पंजाब का निवासी साबित करने संबंधित आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज स्वीकार्य है। इस योजना से राज्य की 1.31 करोड़ महिलाओं/लड़कियों को लाभ मिलेगा।
- 29 अक्टूबर 2019 को भारत में दिल्ली प्रथम राज्य बना जहाँ बसों व मेट्रो में महिला यात्रियों को मुफ्त यात्रा की मंजूरी दी गई।

उड़ान (Ude Desh Ka Aam Naagrik-UDAN) योजना

- केंद्र सरकार द्वारा क्षेत्रीय एयर कनेक्टिविटी को सुविधाजनक बनाने के मुख्य उद्देश्य के साथ अक्टूबर, 2016 में इस योजना को शुरू किया गया था। यह वैश्विक स्तर पर अपनी तरह की पहली योजना है जो क्षेत्रीय मार्गों पर सस्ती, आर्थिक रूप से व्यवहार्य एवं लाभप्रद उड़ानों को बढ़ावा देती है ताकि आम आदमी वहनीय कीमत पर हवाई यात्रा कर सके।
- इसके तहत विमान में उपलब्ध कुल सीटों में से आधी यानी 50% सीटों के लिये प्रति घंटा एवं 500 किमी. की यात्रा उड़ान हेतु अधिकतम 2500 रुपए किराया वसूला जाता है एवं इससे एयरलाइनों को होने वाले नुकसान की भरपाई सरकार द्वारा की जाती है।

'कोवैक्स' संगठन

- 13 मई, 2021 को पंजाब ने कोवैक्स गठबंधन (COVAX Facility Alliance) से जुड़ने का फैसला किया है, ताकि कम कीमत पर कोविड के टीकों की खरीद के लिए वैश्विक स्तर तक पहुँच बनाई जा सके। इस तरह पंजाब यह नई पहल करने वाला देश का पहला राज्य बन गया था।

SarkariExam.com

6. हाथी कॉरिडोर के लिए कर्नाटक में 1000 एकड़ भूमि में शुरू हुआ सर्वेक्षण

- हाल ही में बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान के पास 1000 एकड़ से अधिक भूमि का सर्वेक्षण शुरू हो गया है। इस भूमि को हाथियों के गलियारे के रूप में विकसित किया जाना है। यह गलियाई हाथियों को एक सुरक्षित क्षेत्र प्रदान करेगा और मानव पशु संघर्ष को कम करने में सहायक होगा। विदित है कि बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान से लगी भूमि पर कई बस्तियां विकसित हो गई है।

❑ एनिमल एडॉप्टेशन प्रोग्राम' (Animal Adoption Programme)

- पिछले साल बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान (Bannerghatta Biological Park) ने 'एनिमल एडॉप्टेशन प्रोग्राम' (Animal Adoption Programme) के तहत नागरिकों को एक वर्ष के लिये उद्यान के वन्य जीवों को गोद लेने की अनुमति प्रदान की है। बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान के वन्य जीवों को गोद लेने हेतु नागरिकों को कुछ धनराशि अदा करनी होगी।
- भारतीय कोबरा (Indian Cobra) तथा एशियाई हाथी (Asiatic Elephant) को गोद लेने हेतु प्रति वर्ष क्रमशः 2 हज़ार तथा 1.75 लाख रुपए देना होगा। बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान से किंग कोबरा, जंगली बिल्ली, असमिया लंगूर, काला हिरन, सांभर इत्यादि को एक वर्ष के लिये गोद लिया जा सकता है। उद्यान के अनुसार, वर्तमान में 21 हाथी इंटरनेट के माध्यम से गोद लेने हेतु उपलब्ध हैं।
- 'एनिमल एडॉप्टेशन प्रोग्राम' के अनुसार, उद्यान के वन्य जीवों के भरण-पोषण, चिकित्सीय देखभाल खर्चों में शामिल होने का एक अवसर है जिसमें भाग लेने वाले लोगों हेतु 'आयकर अधिनियम' की धारा 80जी (दान से संबंधित) के तहत कर में छूट देने का प्रावधान भी है।

❑ भारतीय कोबरा (Indian Cobra)

- इसका वैज्ञानिक नाम 'नाजा नाजा' (Naja naja) है। यह भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान में पाया जाता है। यह साँप आमतौर पर खुले जंगल के किनारों, खेतों और गाँवों के आसपास के क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं।

❑ बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (Bannerghatta National Park)

- कर्नाटक के बंगलूरू में स्थित बन्नेरघट्टा उद्यान की स्थापना वर्ष 1972 में की गई थी जिसे वर्ष 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। वर्ष 2002 में उद्यान के एक हिस्से को जैविक रिज़र्व बना दिया गया जिसे बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2006 में देश का पहला तितली पार्क यहीं स्थापित किया गया था। यह उद्यान जंगली बिल्लियों, भारतीय तेंदुओं, बाघ, चीतों एवं हाथियों को एक सुरक्षित आवास प्रदान करता है।

SarkariExam.com

7. भासन चार द्वीप पर रहने की स्थिति के खिलाफ रोहिंग्या का विरोध-प्रदर्शन

- म्यांमार से जान बचाकर भागे हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों ने हाल ही में बांग्लादेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। इन लोगों का कहना है कि इन्हें कैम्प्स से निकालकर एक ऐसे द्वीप पर भेजा गया है, जहां रहने के लिए स्थितियां ठीक नहीं हैं। यह द्वीप समुद्र से सिर्फ़ दो मीटर यानी सिर्फ़ छह फ़ीट की ऊंचाई पर है और लोगों में डर है कि कोई भी बड़ा तूफ़ान उनके लिए जानलेवा साबित हो सकता है।
- दरअसल लाखों की संख्या में रोहिंग्या शरणार्थी बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में रहते हैं। कॉक्स बाजार के कैम्प्स में जरूरत से ज्यादा भरे हुए शरणार्थियों को सरकार ने भासन चार द्वीप पर भेज दिया था। सरकार ने एक लाख लोगों को यहां लाने की योजना बनाई है, दिसंबर के बाद से 18 हजार लोग यहां आ गए हैं।
- ये जमीन का वो टुकड़ा है, जो समुद्र के बीच स्थित है। रोहिंग्याओं में ज्यादातर म्यांमार की सेना से 2017 में अपनी जान बचाकर आए थे। संयुक्त राष्ट्र ने म्यांमार की सेना के हमलों को 'नस्लीय नरसंहार' करार दिया था। पुलिस के अनुसार 31 मई को करीब 4 हजार लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया है।
- भासन चार जिसे 350 मिलियन डॉलर ख़र्च करके बांग्लादेश ने शरणार्थियों के लिए तैयार किया है, उसे एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। यह एक द्वीप है जो समुद्र से 15 साल पहले ऊपर आया है।
- भासन चार द्वीप बांग्लादेश की मुख्यभूमि से 60 किलोमीटर दूर है और यहाँ किसी भी पत्रकार, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और मानवाधिकार संगठनों को स्वतंत्र रूप से जाने की अनुमति नहीं है।

भासन चार (Bhashan Char) द्वीप

- भासन चार (फ्लोटिंग आइलैंड), जिसे 'चार पिया' (Char Piya) या 'थेंगर चार आइलैंड' (Thengar Char Island) के नाम से भी जाना जाता है, बांग्लादेश के हटिया में स्थित एक द्वीप है। भासन चार द्वीप का निर्माण मात्र 20 वर्ष पूर्व बंगाल की खाड़ी में हिमालयन गाद से हुआ था। बांग्लादेश द्वारा इस विचार को पेश किये जाने के समय से ही भासन चार द्वीप पर मौसमी चरम स्थितियों और आपात स्थिति में मुख्य भूमि से दूरी को लेकर लगातार चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं।

रोहिंग्या समुदाय के बारे में

- रोहिंग्या, म्यांमार के कई जातीय अल्पसंख्यकों में से एक समुदाय है, जिसमे अधिकाँश आबादी मुस्लिम है। इस समुदाय के लोगों को म्यांमार द्वारा पूर्ण नागरिकता नहीं दी गई है। यह समुदाय मूल रूप से, एक देश-विहीन (स्टेटलेस), इंडो-आर्यन जातीय समूह हैं जो म्यांमार के रखाइन प्रांत में रहते हैं।

SarkariExam.com

- इनकी अपनी भाषा और संस्कृति है और कहा जाता है, वे अरब व्यापारियों और अन्य समूहों के वंशज हैं, जो इस क्षेत्र में कई पीढ़ियों से बसे हुए हैं। वर्ष 2017 की शुरुआत में म्यांमार में 'रोहिंग्या समुदाय के लोगों की संख्या लगभग एक मिलियन थी। अगस्त 2017 के बाद से लगभग 625,000 शरणार्थी रखाइन प्रांत से पलायन कर बांग्लादेश की सीमा में बस गए थे।
- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा 'रोहिंग्या समुदाय के लोगों को, विश्व में सर्वाधिक नहीं, तो सबसे अधिक भेदभाव किये जाने वाले लोगों में से एक, के रूप में वर्णित किया गया है।

8. दुनिया के दूसरे सबसे बड़े द्वीप से वैज्ञानिकों ने खोजा 'चॉकलेट मेढक'

- हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की एक टीम ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े द्वीप न्यू गिनी की तराई के वर्षा वनों में पेड़ पर रहने वाले चॉकलेट के रंग के मेंढक की खोज की है। मेंढक की इस नई प्रजाति का नाम लिटोरिया मिरा (Litoria mira) है। लैटिन भाषा में मिरा शब्द का अर्थ आश्चर्य या अजीब होता है। लिटोरिया मिरा न्यू गिनी में पाए जाने वाले वृक्ष मेंढक की स्थानिक प्रजाति है।
- यह प्रजाति न्यू गिनी की तराई के दलदली वर्षा वनों में व्यापक रूप से पाई जाती है। लिटोरिया मिरा का निकटतम संबंध आस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले पेड़ों पर रहने वाले हरे मेंढक से हैं। वृक्ष पर रहने वाले हरे मेंढक का वैज्ञानिक नाम Litoria caerulea है। मेंढक की दोनों प्रजातियां एक जैसी दिखाई देती है। दोनों प्रजातियों में सिर्फ रंग का अंतर होता है। एक आम तौर पर हरे रंग की होती है जबकि नई प्रजाति चॉकलेट रंग की है। दोनों प्रजातियां वृक्ष पर रहती है।
- गौरतलब है कि ये चॉकलेट मेढक जहां पाया गया है वो एक गर्म वर्षावन है और इंसानों के लिए काफी खतरनाक है। इस क्षेत्र को मलेरिया के मच्छर, मगरमच्छों की मौजूदगी और दलदली इलाका इसे काफी चुनौतीपूर्ण बनाते हैं। ऐसे में चॉकलेट मेढक की खोज एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

❑ मछली की नई प्रजाति Coelacanth

- हाल ही में समुद्र के अंदर शार्क का शिकार करने वाले शिकारियों ने हिंद महासागर में बसे मेडागास्कर के तट पर डायनासोर के काल की विलुप्त हो गई मछली को जिंदा पकड़ा है।
- 04 पैरों वाली मछली की यह प्रजाति करीब 42 करोड़ साल पुरानी है। इस मछली को Coelacanth के नाम से जाना जाता है।
- इसका वैज्ञानिक नाम Latimeria chalumnae है। इसका IUCN स्टेटस critically endangered है। इस मछली को वर्ष 1938 तक विलुप्त माना जाता था। बताया जा रहा है कि शिकारियों ने शार्क को पकड़ने के

Sarkari Exam.com

लिए एक खास जाल का इस्तेमाल किया जिसमें यह मछली पकड़ में आ गई।

- **स्किंक (Skink) की नई प्रजाति 'सबडॉलूसेप्स नीलगिरिएन्सिस'**

- हाल ही में पर्यावरणवादियों ने पश्चिमी घाट (Western Ghats) की नीलगिरि की पहाड़ियों से स्किंक (Skink) की नई प्रजाति का पता लगाया है। स्किंक (Skink) की इस नई प्रजाति को 'सबडॉलूसेप्स नीलगिरिएन्सिस' नाम दिया गया है। स्किंक की इस नई प्रजाति के नाम में 'नीलगिरिएन्सिस' शब्द नीलगिरि की पहाड़ियों के कारण दिया गया है। स्किंक की इस नई प्रजाति का शरीर लगभग 7 सेमी पतला है और यह रेतीले भूरे (sandy brown) रंग की है।
- स्किंक (Skink) एक प्रकार के सरीसृप (reptile) जीव हैं। ये सरीसृपों के 'छिपकली वर्ग' के अंतर्गत आती हैं। स्किंक के अंग बहुत कम विकसित होते हैं। इसलिए ये सर्प की तरह रेंगकर चलती हैं। यही कारण है कि मानव इन्हें जहरीली समझकर मार देते हैं। जबकि ये जहरीले नहीं होती हैं। स्किंक का शरीर काफी चिकना होता है और यह बहुत फुर्तीली प्रजाति है। सामान्यतया स्किंक की प्रजातियाँ रेतीले मैदानों, उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण क्षेत्रों में पाई जाती हैं।

- **न्यू गिनी (New Guinea)**

- न्यू गिनी विश्व का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है। दक्षिण-पश्चिम प्रशांत महासागर में मेलनेशिया (Melanesia) में अवस्थित यह टोरेस जलसंधि (Torres Strait) द्वारा ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप से अलग होता है। इस द्वीप का पूर्वी भाग स्वतंत्र देश पापुआ न्यू गिनी (Papua New Guinea) के अंतर्गत आता है जबकि इसका आधा पश्चिमी भाग जिसे पश्चिमी न्यू गिनी (Western New Guinea) या पश्चिमी पापुआ (West Papua) के नाम से जाना जाता है, इंडोनेशिया के अंतर्गत आता है।

- **टोरेस जलसन्धि**

- न्यू गिनी द्वीप और ऑस्ट्रेलिया का क्वींसलैंड, टोरेस जलसन्धि (Torres Strait) द्वारा एक दूसरे से अलग होते हैं।

9. पता लगाए कहाँ से आया कोरोना, नहीं तो कोविड-26, कोविड-32 का सामना करने को रहें तैयार

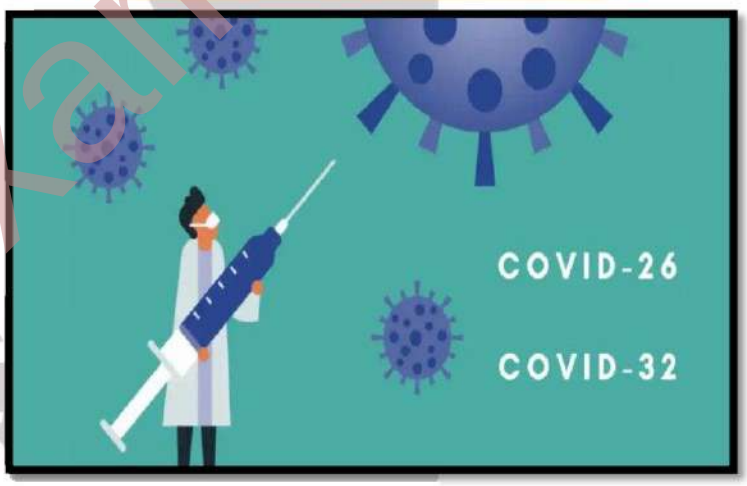

- दुनिया भर के वैज्ञानिक कोविड की ओरोजिन को लेकर चिंतित हैं। इस बीच यूएस एक्सपर्ट्स ने दावा किया है कि अगर जल्दी कोविड का ओरिजिन नहीं खोज लिया गया तो COVID-26 और COVID-32 के खतरे झेलने के लिए तैयार रहना होगा। हालांकि अब अमेरिका सहित भारत और दुनिया भर के देश इस सवाल पर जोर देने लगे हैं और चाहते हैं कि इन सवालों का जवाब जल्द से जल्द मिले।

SarkariExam.com

- अमेरिका ने तो अपने खुफिया एजेंसियों को भी इस मुहिम मे तेजी से काम करने तक को कह दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने तो यहां तक कह दिया है कि उन्हें 90 दिन में पूरी जानकारी चाहिए। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी इस मुद्दे पर महीनों बाद चुप्पी तोड़ी है और खुल कर आधिकारिक रूप से कहा है, 'WHO को कोरोना की उत्पत्ति की जांच को अब अगले चरण में ले जाने की जरूरत है और इस मुद्दे पर सभी को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मदद करनी चाहिए।
- बताया जा रहा है कि अमेरिका के हेल्थ एक्सपर्ट ने कहा है कि अगर जल्दी कोरोना के ओरिजिन को नहीं खोज लिया तो कोविड-26 और कोविड-32 का सामना करने के लिए तैयार रहें।
- जब कोरोना पूरी दुनिया में तेजी से फैलने लगा तो विश्व स्वास्थ्य संगठन पर दबाव बनने लगा, इसके बाद WHO ने अपनी एक जांच टीम चीन के वुहान भेजा जहां से कहते हैं कि कोरोना पूरी दुनिया में फैला,क्योंकि इसी प्रांत में कोरोना का पहला मामला सामने आया था लेकिन WHO की टीम यहां जांच करने के बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई। इससे दुनिया भर के लोग और वैज्ञानिक नाराज हो गए और मांग करने लगे कि कोरोना के ओरोजिन पर बारीकी से शोध हो और लोगों को बताया जाए कि ये कहां से कैसे आया है?

❑ कोविड 26 और कोविड 32 की चिंता

- अमेरिकी मीडिया कंपनी ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के दो एक्सपर्ट्स ने कहा है कि या तो कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लें या फिर कोविड-26 और कोविड-32 के कहर सहने के लिए तैयार रहें। यह चेतावनी अमेरिका के पूर्व फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर स्कॉट गॉटलीब और टेक्सास के चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल सेंटर फॉर वैक्सीन डेवलपमेंट के को-डायरेक्टर पीटर होट्स ने दी है।
- दोनों एक्सपर्ट्स का कहना है कि कोविड-19 के ओरिजिन का पता लगाने के लिए चीन की सरकार को दुनिया की मदद करनी चाहिए। गॉटलीब का आरोप है कि चीन की वुहान लैब से कोविड वायरस के लीक होने की बात सही होती नजर आ रही है। चीन ने अब तक इस आरोप का दुनिया को जवाब भी नहीं दिया जिससे संदेह गहराता है।

❑ अगर ओरिजिन मिल गया तो क्या होगा

- वैज्ञानिक मानते हैं कि अगर इस वायरस का ओरिजिन मिल जाए तो संभव है कि इस बीमारी का इलाज भी दुनिया को मिल जाए। वैज्ञानिक कहते हैं कि कोरोना वायरस अब एक महामारी बन चुका है जो लाखों लोगों की जान ले चुका है, इसलिए ऐसे वायरस के हर एक पहलू को बारीकी से जांचने की जरूरत है।
- इसे हर एंगल से जब तक हम नहीं देखेंगे तब तक इससे मुक्ति का कोई रास्ता नहीं मिलेगा। हार्वर्ड यूनीवर्सिटी के महामारी विशेषज्ञ मार्क लिपसिच उन लोगों में से हैं जो वुहान में WHO की जांच से संतुष्ट नहीं हैं और उनका मानना है कि कोरोना का ओरिजिन अगर पता चल जाए तो हम बहुत कुछ चीजें इससे सीख सकते हैं। मार्क कहते हैं कि अगर हमें पता चल जाए की यह वायरस लैब से निकला है या जानवरों से फैला है तो हम भविष्य में इससे बचने के तरीके खोज सकते हैं और ऐसा वायरस दोबारा अगर हमारे बीच आए तो हम उसे तबाही मचाने से पहले ही रोक सकते हैं।

❑ चीन पर सबकी नज़र

SarkariExam.com

- इस वायरस की शुरूआत चीन से ही हुई है और चीन पर आरोप भी लगते रहे हैं कि चीन ने ये वायरस अपने वुहान के लैब में डिवेलप किया था जहां से इसने किसी को संक्रमित किया इसके बाद वहां से यह पूरे दुनिया में फैल गया। हालांकि चीन इस आरोप का हमेशा से इनकार करता आया है लेकिन अब अमेरिका इसके जांच में पूरी तरह से जुट गया है। हाल ही में जेनेवा में UN में अमेरिकी मिशन ने कहा कि WHO की शुरूआती जांच का कोई निष्कर्ष नहीं निकला, इसलिए अब दूसरे चरण के जांच की जरूरत है जो पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से हो और सबूतों के आधार पर हो।
- अमेरिका ने कहा कि इस जांच में चीन को भी शामिल किया जाए। अमेरिका ने कहा, 'यह बहुत मुश्किल है कि चीन स्वतंत्र विशेषज्ञों को सही डेटा और सैंपल मुहैया कराएगा। इस जांच के लिए बहुत ज़रूरी है कि महामारी की शुरुआती स्थिति को लेकर सही जानकारी दी जाए।
- चीन ने भी इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी और गुरुवार को ही चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता चाओ लिजिअन ने रॉयटर्स से बात करते हुए कहा, 'हमने पहले ही बताया था कि चीन ने WHO की वैश्विक स्टडी में मदद की थी। उस स्टडी में कहीं भी ये बात साबित नहीं हुई की कोरोना वायरस चीन के लैब से निकला है। लेकिन अमेरिका में कुछ लोगों ने अपनी आंखें बंद कर रखी हैं।
- इससे पता चलता है कि इन्हें जांच के नतीजों से मतलब नहीं है। इनका लक्ष्य राजनीतिक है। ये महामारी के लिए किसी को ज़िम्मेदार ठहराना चाहते हैं। चीन ने कहा कि हम भी मांग करते हैं कि अमेरिका को भी इस जांच में शामिल किया जाए और अमेरिका भी तत्काल विज्ञान आधारित सहयोग WHO के साथ साझा करना शुरू करे।

❑ **क्या सच में लैब से निकला है कोरोना वायरस**

- दुनिया भर के वैज्ञानिक इस वायरस को लेकर शुरू से कह रहे थे कि यह मानव निर्मित वायरस है जो किसी लैब में तैयार किया गया है। हालांकि उनके पास इसे साबित करने के लिए कोई सुबूत नहीं थे, लेकिन हाल ही में आई नई रिपोर्ट इसी ओर इशारा कर रही है कि यह वायरस किसी लैब से ही निकला है।
- डेली मेल यूके की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के प्रोफेसर एंगुस और नॉर्वे के वैज्ञानिक डॉ. बर्जर ने अपने स्टडी में दावा किया है कि चीन ने कोरोना को छुपाने के लिए रेट्रो इंजीनियरिंग के कागज तैयार किए और दुनिया को धोखे में रखा की यह वायरस चीन के वुहान लैब से नहीं निकला। इस स्टडी में दावा किया गया है कि पिछले साल वायरस के खिलाफ वैक्सीन बनाने के दौरान वैज्ञानिकों को इसमें कुछ फिंगरप्रिंट्स दिखे जो वायरस में मौजूद थे।
- जिससे ये साफ हो जाता है कि ये वायरस किसी लैब में ही बनाया गया है. हालांकि कई बड़े वैज्ञानिक इस थ्योरी को मानने से इनकार करते हैं और उनका कहना है कि इसकी ज्यादा उम्मीद है कि यह वायरस चमगादड़ से इंसानों में फैला हो। 22 पन्नों की इस स्टडी में 2002 से 2019 तक वुहान लैब में क्या-क्या हुआ सब कुछ बताने का दावा किया गया है।

SarkariExam.com

10. डॉ.पेट्रिक अमोथ को WHO की कार्यकारी बोर्ड का नया अध्यक्ष किया नियुक्त डॉ. हर्षवर्धन ने पूरा किया अपना कार्यकाल

- 02 जून 2021 को दुनियाभर में स्वास्थ्य सेवाओं के कार्य में लगे विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) को नया चेयरमैन मिल गया है। अब केन्या डॉ. पैट्रिक अमोथ को डब्ल्यूएचओ कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वे केन्या के स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य कार्यवाहक महानिदेशक भी रह चुके हैं। भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल आज पूरा कर लिया है।
- डब्ल्यूएचओ के आधिकारिक ट्विटर हैंडल के अनुसार, 02 जून 2021 को कार्यकारी बोर्ड के 149वें सत्र के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि केन्या के स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य के कार्यवाहक महानिदेशक डॉ. पैट्रिक अमोथ को डब्ल्यूएचओ कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

❑ **केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को ई-सिगरेट के प्रतिबंध के लिए सम्मानित**

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 31 मई, 2021 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को ई-सिगरेट के प्रतिबंध के लिए सम्मानित किया। संगठन के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि मुझे भारत के स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को सम्मानित करते हुए खुशी महसूस हो रही है जिनके प्रयासों से 2019 में भारत में ई-सिगरेट को प्रतिबंधित करने का अधिनियम बना। धन्यवाद मंत्री। इसके जवाब में हर्षवर्धन ने भी संगठन के प्रमुख को धन्यवाद ज्ञापित किया।
- धूम्रपान करने वालों को कोरोना विषाणु का गंभीर संक्रमण होने का 40 से 50 फीसद अधिक जोखिम रहता है। भारत में हर साल तंबाकू के सेवन से 13 लाख लोगों की मौत होती है। यदि इसे प्रतिदिन के हिसाब से देखा जाए तो यह आंकड़ा करीब 3,500 बनता है, जो बहुत बड़ी संख्या है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार तंबाकू के सेवन से होने वाले रोगों और अन्य प्रभाव से भारत में 2017-2018 में 1.77 लाख करोड़ रुपए का अर्थव्यवस्था पर बोझ पड़ा, जो सकल घरेलू उत्पाद का एक फीसद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने 1997 में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री के कार्यकाल के दौरान विधानसभा में 'दिल्ली तंबाकू निषेध व धूम्रपान न करने वालों का स्वास्थ्य प्रतिरक्षा अधिनियम' पारित करवाया था। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के कानून के महत्त्व को समझते हुए कहा था कि ऐसा कानून देश के सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्र में बनाया जाना चाहिए।
- यह कानून 2002 में देश में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध के लिए नमूना बना। इसके

SarkariExam.com

बाद 2003 में केंद्र सरकार ने तंबाकू नियंत्रण का व्यापक कानून बनाया गया था। इस कानून का उद्देश्य धुआं रहित सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना और तंबाकू के विज्ञापन और प्रचार को न्यूनतम बनाना था।

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लाखों लोग 'छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध' विषय को समझते हुए धूम्रपान और तंबाकू सेवन बंद करना चाहते हैं। केंद्र सरकार ने 2016 में इसके लिए निशुल्क सेवा 1800-112-356 शुरू की थी, जिसका सितंबर 2018 में विस्तार किया गया था।
- सितंबर, 2018 से पहले प्रति माह इस सेवा पर 20,500 कॉल आते थे, जो कि इस सेवा के विस्तार के बाद प्रति माह 2.5 लाख हो गए। यह हम सबके लिए संतोष का विषय है। यह सेवा अब 16 भाषाओं में उपलब्ध है। हर्षवर्धन ने कहा, मैं लोगों से अपना व्यवहार बदलने और तंबाकू का सेवन छोड़ने की अपील करता हूं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन

- स्वास्थ्य क्षेत्र के लिये संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' (World Health Organization-WHO) की स्थापना वर्ष 1948 हुई थी। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में स्थित है। वर्तमान में 194 देश WHO के सदस्य हैं। 150 देशों में इसके कार्यालय होने के साथ-साथ इसके छह क्षेत्रीय कार्यालय भी हैं।
- यह एक अंतर-सरकारी संगठन है तथा सामान्यतः अपने सदस्य राष्ट्रों के स्वास्थ्य मंत्रालयों के सहयोग से कार्य करता है। WHO वैश्विक स्वास्थ्य मामलों पर नेतृत्व प्रदान करते हुए स्वास्थ्य अनुसंधान संबंधी एजेंडा को आकार देता है तथा विभिन्न मानदंड एवं मानक निर्धारित करता है।
- साथ ही WHO साक्ष्य-आधारित नीति विकल्पों को स्पष्ट करता है, देशों को तकनीकी सहायता प्रदान करता है तथा स्वास्थ्य संबंधी रुझानों की निगरानी और मूल्यांकन करता है। WHO ने 7 अप्रैल, 1948 से कार्य आरंभ किया, अतः वर्तमान में 7 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

SarkariExam.com

03 जून 2021

1) 30 मई, 2021 को किस भारतीय घुड़सवार ने टोक्यो ओलिंपिक (Tokyo Olympic) के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है?
a) नेत्रा कुमानन
b) भवानी सिंह
c) फवाद मिर्जा
d) इंद्रजीत लांबा

2) 31 मई, 2021 को किसने वर्ष 2021-22 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया है?
a) टी. वी. नरेंद्रन
b) पवन मुंजाल
c) राजीव बजाज
d) उदय कोटक

3) 02 जून, 2021 को इजराइली संसद ने किसे देश के 11वें राष्ट्रपति के रूप में चुना है?
a) रेवेन रिवलिन
b) इसाक हर्जोग
c) नेफ्ताली बेनेट
d) मिरियम पेरेट्ज़

4) 01 जून, 2021 को किस देश ने अपनी पहली कोरोना वैक्सीन पाकवैक (PakVac) को लॉन्च किया है?
a) बांग्लादेश
b) ईरान
c) पाकिस्तान
d) संयुक्त अरब अमीरात

5) हाल ही में किस राज्य ने महिलाओं व लड़कियों को नि:शुल्क सेनेटरी पैड वितरण करने हेतु 'उड़ान योजना' की शुरुआत की है?
a) पंजाब
b) मध्य प्रदेश
c) महाराष्ट्र
d) राजस्थान

6) हाल ही में चर्चा रहा बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (Bannerghatta National Park) किस राज्य में स्थित है?
a) ओडिशा
b) आंध्र प्रदेश
c) कर्नाटक
d) केरल

7) हाल ही में चर्चा में रहा भासन चार (Bhashan Char) द्वीप किस देश में स्थित है?
a) म्यांमार
b) बांग्लादेश
c) नेपाल
d) मालदीव

8) बीते दिनों चर्चा रही 'लिटोरिया मिरा' (Litoria mira) किसकी प्रजाति है?
a) मछली की प्रजाति
b) स्किंक की प्रजाति
c) मेंढक की प्रजाति
d) साँप की प्रजाति

9) किस देश के हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार यदि जल्दी कोरोना के ओरिजिन को नहीं खोज लिया तो कोविड-26 और कोविड-32 का सामना करने के लिए तैयार रहें?
a) जापान
b) अमेरिका
c) रूस
d) कनाडा

10) 02 जून 2021 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया है?
a) डॉ. हर्षवर्धन
b) डॉ. पैट्रिक अमोथ

SarkariExam.com

c) डॉ. हंस क्लूज
d) माइकल जे रेयान

11) कथन A : 02 जून 2021 डॉ. पैट्रिक अमोथ को 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' (WHO) कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
कथन B : उन्होंने भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन का स्थान लिया है।
असत्य कथनों का चयन कीजिए –
a) केवल A
b) केवल B
c) A और B
d) न तो A न B

12) बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए सत्य कथनों का चयन कीजिए –
A) यह कर्नाटक के बंगलूरू में स्थित है।
B) इसकी स्थापना वर्ष 2002 में की गई थी।
C) वर्ष 2006 में देश का पहला तितली पार्क यहीं स्थापित किया गया था।
कूट :
a) A और C
b) A और B
c) B और C
d) A, B और C

13) कथन A : 30 मई, 2021 को भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा ने इसी साल होने वाले टोक्यो ओलिंपिक (Tokyo Olympic) के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है।
कथन B : ऐसा करके वो व्यक्तिगत घुड़सवारी में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले प्रथम भारतीय घुड़सवार बन गए है।
असत्य कथनों का चयन कीजिए -
a) केवल A
b) केवल B
c) A और B
d) न तो A न B

14) भासन चार द्वीप के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए सत्य कथनों का चयन कीजिए –
A) इसे 'चार पिया' (Char Piya) या 'थेंगर चार आइलैंड' (Thengar Char Island) के नाम से भी जाना जाता है
B) यह बांग्लादेश के हटिया में स्थित एक द्वीप है।
कूट :
a) केवल A
b) केवल B
c) A और B
d) न तो A न B

15) कथन A : हाल ही में पंजाब राज्य ने महिला सशक्तीकरण के लिए 'उड़ान योजना' की शुरुआत की।
कथन B : इस योजना के तहत राज्य की जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं और लड़कियों को हर महीने मुफ्त सेनेटरी पैड बांटे जाएंगे।
सत्य कथनों का चयन कीजिए -
a) केवल A
b) केवल B
c) A और B
d) न तो A न B

SarkariExam.com